C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में एक दिन विशेष भोजन में जलेबी बनी थी। परम पूजनीय श्री गुरू जी उस दिन स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु वर्ग में उपस्थित थे। भोजन के समय अधिकारियों की पंकित में आठ-नौ, स्वंयसेवकों को भोजन परोसने का दायित्व दिया गया। भोजन-मंत्र से पूर्व उन स्वंयसेवकों ने वितरण शुरू करा दिया, लेकिन उनमें से एक स्वंयसेवक, जिसके पास जलेबी की थाली थी, वितरण न करके चुपचाप बैठा रहा। परमपूज्य गुरू जी का ध्यान उसकी ओर गया। भोजन प्रारम्भ होने से पूर्व गुरू जी उसके पास गए और कहा-तुम कैसे बैठे हो? पंक्ति में वितरण करो। उस स्वंयसेवक ने संकोचपूर्वक गुरू जी से कहा - मैं चमार जाति का हूँ, पंक्ति में ऊँची जातियों के स्वयंसेवक भी बैठे हैं, उन्हें मैं कैसे परोस सकता हूँ?

गुरू जी को उस स्वयंसेवक की बात बहुत बुरी लगी। उन्होंने उसका हाथ पकड़कर जलेबी की थाली थमाई, और सर्वप्रथम अपनी थाली में परोसने को कहा, फिर सब स्वयंसेवकों को देने के लिए कहा। गुरू जी के आत्मीय

व्यवहार से उसकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा। उसने पंक्ति में सभी को जलेबी परोसी।

1. भोजन में जलेबियाँ कब और कहाँ बनी थीं और जलेबी बाँटनेवाला शांत क्यों बैठा था?
2. गुरू जी का ध्यान किसकी ओर गया?
3. गुरू जी ने स्वयंसेवक से क्या कहा?
4. गुरू जी को कौन-सी बात बुरी लगी तथा उसकी बात सुनकर उन्होंने क्या किया?
5. स्वयंसेवक की प्रसन्नता का पारावार कब नहीं रहा?

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

पुजारी ! भजन, पूजन, साधन, आराधना
इन सबको किनारे रख दे।
द्वार बंद करके देवालय के कोने में क्यों बैठा है?
अपने मन के अन्धकार में छिपा बैठा, तू कौन-सी पूजा में मग्न है?
आँखें खोलकर देख तो सही
तेरा देवता देवालय में नहीं है।
जहाँ मजदूर पत्थर फोड़कर रास्ता तैयार कर रहे हैं,
तेरा देवता वहीं चला गया है।

क) कवि पुजारी से भजन, पूजन, साधन और आराधना के विषय में क्या कहते हैं?
ख) कवि के अनुसार देवता कहाँ चले गए हैं?
ग) पद्यांश के लिए उचित शीर्षक दें।

खण्ड–ख

प्र. 3. शब्द किसे कहते है? शब्द पद के रूप में कब बदल जाता है? 1+1=2

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) मुसीबत आ जाए, तो घबराना नहीं चाहिए। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) जैसे ही मैंने खाना खाया वैसे ही मैं सो गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) मोहन आया और चला गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

भला-बुरा, गिरिधर।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=2

शोक से आकुल, ऋण से मुक्त

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1×4=4

(क) जय कड़वा दवाई पी गया।

(ख) चाचा जी के निधन का समाचार पाते ही उसके हाथों से तोते उड़ गए।

(ग) सारी रात भर मैं पढ़ता रहा।

(घ) आपका घर बड़ा दूर है।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

हवाई किले बनाना, छक्के छुड़ाना।

खण्ड - ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर किस बात का संकेत देना चाहते थे?

(ख) लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

प्र. 8 ब 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि जांबाज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था। 5

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) सर हिमालय का हमने न झुकने दिया, इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

(ग) सच्चे मन में राम बसते हैं–दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

प्र. 9 ब 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है? 5

प्र. 10. टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए? 5

खण्ड - घ

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

- मदर टेरेसा
- सत्संगति

प्र.12. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए। 5

प्र. 13. आपके विद्यालय में एक सप्ताह के लिए 'निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान शिविर' लगाया जा रहा है। स्थानीय जनता की सूचना के लिए 30 शब्दों में एक सूचना-पत्रक लिखिए। 5

प्र. 14. बढ़ते हुए महिला अपराध के संदर्भ में दो महिलाओं के मध्य बातचीत लिखिए - 5

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

ठंडी के मौसम में खाये जानेवाले च्वनप्राश का विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड - क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में एक दिन विशेष भोजन में जलेबी बनी थी। परम पूजनीय श्री गुरू जी उस दिन स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु वर्ग में उपस्थित थे। भोजन के समय अधिकारियों की पंकित में आठ-नौ, स्वंयसेवकों को भोजन परोसने का दायित्व दिया गया। भोजन-मंत्र से पूर्व उन स्वंयसेवकों ने वितरण शुरू करा दिया, लेकिन उनमें से एक स्वंयसेवक, जिसके पास जलेबी की थाली थी, वितरण न करके चुपचाप बैठा रहा। परमपूज्य गुरू जी का ध्यान उसकी ओर गया। भोजन प्रारम्भ होने से पूर्व गुरू जी उसके पास गए और कहा-तुम कैसे बैठे हो? पंक्ति में वितरण करो। उस स्वंयसेवक ने संकोचपूर्वक गुरू जी से कहा - मैं चमार जाति का हूँ, पंक्ति में ऊँची जातियों के स्वयंसेवक भी बैठे हैं, उन्हें मैं कैसे परोस सकता हूँ?

गुरू जी को उस स्वयंसेवक की बात बहुत बुरी लगी। उन्होंने उसका हाथ पकड़कर जलेबी की थाली थमाई, और सर्वप्रथम अपनी थाली में परोसने को कहा, फिर सब स्वयंसेवकों को देने के लिए कहा। गुरू जी के आत्मीय

व्यवहार से उसकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा। उसने पंक्ति में सभी को जलेबी परोसी।

1. भोजन में जलेबियाँ कब और कहाँ बनी थीं और जलेबी बाँटनेवाला शांत क्यों बैठा था?

   उत्तर : 1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में भोजन के लिए विशेष जलेबी बनी थी। बाँटनेवाला इसलिए शांत बैठा था क्योंकि वह चमार जाति का था तथा ऊँची जातियों को परोसने में उसे संकोच हो रहा था।

2. गुरू जी का ध्यान किसकी ओर गया?

   उत्तर : गुरू जी का ध्यान एक ओर चुपचाप जलेबी की थाली लिए बैठे स्वयंसेवक की ओर गया।

3. गुरू जी ने स्वयंसेवक से क्या कहा?

   उत्तर : गुरू जी ने स्वयंसेवक से पहले अपनी थाली में जलेबी परोसवाई तथा फिर सबको जलेबी परोसने के लिए कहा।

4. गुरू जी को कौन-सी बात बुरी लगी तथा उसकी बात सुनकर उन्होंने क्या किया?

   उत्तर : लड़के का यह कहना कि मैं जाति से चमार हूँ, पंक्ति में ऊँची जाति के बैठे स्वयंसेवकों को कैसे परोस सकता हूँ? गुरू जी को बुरा लगा, उसकी बात सुनकर उन्होंने सबसे पहले उससे जलेबी ली फिर दूसरों को परोसने के लिए कहा।

5. स्वयंसेवक की प्रसन्नता का पारावार कब नहीं रहा?

   उत्तर : गुरू जी के आत्मीयतापूर्ण व्यवहार से स्वयंसेवक की प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

पुजारी ! भजन, पूजन, साधन, आराधना
इन सबको किनारे रख दे।
द्वार बंद करके देवालय के कोने में क्यों बैठा है?
अपने मन के अन्धकार में छिपा बैठा, तू कौन-सी पूजा में मग्न है?
आँखें खोलकर देख तो सही
तेरा देवता देवालय में नहीं है।
जहाँ मजदूर पत्थर फोड़कर रास्ता तैयार कर रहे हैं,
तेरा देवता वहीं चला गया है।

क) कवि पुजारी से भजन, पूजन, साधन और आराधना के विषय में क्या कहते हैं?

उत्तर : कवि पुजारी से भजन, पूजन, साधन और आराधना के विषय में कहते हैं कि वे इन सभी को एक तरफ रख दें।

ख) कवि के अनुसार देवता कहाँ चले गए हैं?

उत्तर : कवि के अनुसार देवता पत्थर फोड़कर रास्ता तैयार करने वाले अर्थात् मजदूरी करने वाले मजदूरों के दिलों में चले गए हैं।

ग) पद्यांश के लिए उचित शीर्षक दें।

उत्तर : पद्यांश के लिए उचित शीर्षक-कर्म ही पूजा है या कर्म ही ईश्वर है।

खण्ड–ख

प्र. 3. शब्द किसे कहते है? शब्द पद के रूप में कब बदल जाता है? 1+1=2

शब्द वर्णों या अक्षरों के सार्थक समूह को कहते हैं।

उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है।

कमल की ही तरह 'लकम' भी इन्हीं तीन अक्षरों का समूह है किंतु यह किसी अर्थ का बोध नहीं कराता है। इसलिए यह शब्द नहीं है।
इसका रूप भी बदल जाता है।
जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) मुसीबत आ जाए, तो घबराना नहीं चाहिए। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)
उत्तर : मिश्र वाक्य

(ख) जैसे ही मैंने खाना खाया वैसे ही मैं सो गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
उत्तर : मैंने खाना खाया और सो गया।

(ग) मोहन आया और चला गया। (सरल वाक्य में बदलिए)
उत्तर : मोहन आकर चला गया।

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2
भला-बुरा, गिरिधर।
उत्तर : भला-बुरा - द्वंद्व समास
गिरिधर - बहुब्रीहि समास

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=2
शोक से आकुल, ऋण से मुक्त
उत्तर : शोक से आकुल - शोकाकुल - करण तत्पुरुष समास
ऋण से मुक्त - अपादान तत्पुरुष समास

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1×4=4

(क) जय कड़वा दवाई पी गया।

उत्तर : जय कड़वी दवाई पी गया।

(ख) चाचा जी के निधन का समाचार पाते ही उसके हाथों से तोते उड़ गए।

उत्तर : चाचा जी के निधन का समाचार पाते ही उसके हाथों के तोते उड़ गए।

(ग) सारी रात भर मैं पढ़ता रहा।

उत्तर : मैं सारी रात पढ़ता रहा।

(घ) आपका घर बड़ा दूर है।

उत्तर : आपका घर बड़ी दूर है।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : 1+1=2

हवाई किले बनाना, छक्के छुड़ाना।

- हवाई किले बनाना - हवाई किले ही बनाते रहोगे या अब अभ्यास भी करोगे।
- छक्के छुड़ाना - भारतीय सेना ने दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए।

खण्ड - ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर किस बात का संकेत देना चाहते थे?

उत्तर : लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजानिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर अपनी देशभक्ति का प्रमाण, राष्ट्रीय झंडे का सम्मान तथा देश की स्वंत्रतता की ओर संकेत देना चाह रहे थे।

(ख) लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लेखक ने ग्वालियर से बम्बई तक अनेक बदलावों को महसूस किया जैसे पहले बड़े-बड़े घर, आँगन और दालान होते थे। अब डिब्बे जैसे घरों में लोगों को गुजारा करना पड़ता है। चारों ओर इमारतें और इमारतें ही पाई जाती है। खुले स्थानों, पशु-पक्षियों के रहने के स्थानों का अभाव दिखाई देता है। पहले पशु-पक्षियों को घरों में स्थान मिलता था आज उनके घर आने के रास्तों को ही बंद कर दिया जाता है।

(ग) तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

उत्तर : तताँरा-वामीरो एक लोक कथा है। यह देश के उन द्वीपों की कथा है जो आज लिटिल अंदमान और कार-निकोबार नाम से जाने जाते हैं। निकोबारियों का मानना है कि प्राचीन काल में ये दोनों द्वीप एक ही थे।

प्र. 8 ब 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि जांबाज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था। 5

उत्तर : जाबांज़ अर्थात् वज़ीर अली के दिल में अंग्रेजों के खिलाफ़ नफरत भरी हुई थी। उसने पाँच महीने के अंतर पर ही अवध के दरबार से अंग्रेजों को बाहर कर दिया था। वजीर अली सआदत अली को अवध से हटा कर वहाँ का प्रशासक बनना चाहता था। इससे यह स्पष्ट होता है कि जाबांज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था।

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कथन का अर्थ है क संसार के सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सहायता करनी चाहिए। कोई पराया नहीं है। सभी एक दूसरे के काम आएँ। प्रत्येक मनुष्य को निर्बल मनुष्य की पीड़ा दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

(ख) सर हिमालय का हमने न झुकने दिया, इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

उत्तर : सर हिमालय का हमने न झुकने दिया इस पंक्ति में हिमालय भारत के मान सम्मान का प्रतीक है। भारत-चीन युद्ध हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों पर ही लड़ा गया था। भारतीय सैनिकों ने अपने प्राण गवाँकर देश के मान-सम्मान को सुरक्षित रखा। भारत के सैनिक हर पल देश की रक्षा हेतु बलिदान देने के लिए तत्पर रहते हैं। उनके साहस की अमर गाथा से हिमालय की पहाड़ियाँ आज भी गुंजायमान हैं।

(ग) सच्चे मन में राम बसते हैं–दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी जी के अनुसार भक्ति का सच्चा रूप हृदय की सच्चाई में निहित है। बिहारी जी ईश्वर प्राप्ति के लिए धर्म कर्मकांड को दिखावा समझते थे। माला जपने, छापे लगवाना, माथे पर तिलक लगवाने से प्रभु नहीं मिलते। जो इन व्यर्थ के आडंबरों में भटकते रहते हैं वे झूठा प्रदर्शन करके दुनिया को धोखा दे सकते हैं, परन्तु भगवान राम तो सच्चे मन की भक्ति से ही प्रसन्न होते हैं।

प्र. 9 ब 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है? 5

उत्तर : प्रकृति के अन्य प्राणियों की तुलना में मनुष्य में चेतना शक्ति की प्रबलता होती है। 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि मानवता, प्रेम, एकता, दया, करुणा, परोपकार, सहानुभूति, सद्भावना और उदारता से परिपूर्ण जीवन जीने का संदेश देना चाहता है। मनुष्य दूसरों के हित का ख्याल रख सकता है। इस कविता का प्रतिपाद्य यह है कि हमें मृत्यु से नहीं डरना चाहिए और परोपकार के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। जब हम दूसरों के लिए जीते हैं तभी लोग हमें मरने के बाद भी याद रखते हैं। धन होने पर घमंड नहीं करना चाहिए तथा खुद आगे बढ़ने के साथ-साथ औरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देनी चाहिए। सभी मनुष्य ईश्वर की संतान है। अत: सभी को एक होकर चलना चाहिए और परस्पर भाईचारे का व्यवहार करना चाहिए।

प्र. 10. टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए? 5

उत्तर : बच्चे फ़ेल होने पर भावनात्मक रूप से आहत होते हैं और मानसिक रूप से परेशान रहने लगते हैं। वे शर्म महसूस करते हैं। इसके लिए विद्यार्थी के पुस्तकीय ज्ञान को ही न परखा जाए बल्कि उसके अनुभव व अन्य कार्य कुशलता को भी देखकर उसे प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। ऐसे बच्चों के लिए वैकल्पिक शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। शिक्षकों को इस तरह के बच्चों को समझने के लिए उचित मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए तथा परिवार वालों को उसकी भरपूर मदद करनी चाहिए न कि उसे कमजोर कहकर उसपर व्यंग कसने चाहिए।

खण्ड - घ

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

मदर टेरेसा

मदर टेरेसा का असली नाम 'अगनेस गोंझा बोयाजिजू' था। मात्र अठारह वर्ष की उम्र में लोरेटो सिस्टर्स में दीक्षा लेकर वे सिस्टर टेरेसा बनीं थी। फिर वह 1930 में एक नन के रूप में भारत आईं और यहीं की होकर रह गई।

कोलकाता के सेंट मैरीज हाईस्कूल में पढ़ाने के दौरान एक दिन कॉवेंट की दीवारों के बाहर फैली दरिद्रता देख वे विचलित हो गई। इस दौरान 1948 में उन्होंने वहाँ के बच्चों को पढ़ाने के लिए एक स्कूल खोला और तत्पश्चात 'मिशनरीज ऑफ चैरिटीज् की स्थापना की।

मदर टेरेसा ने 'निर्मल हृदय' और 'निर्मला शिशु भवन' के नाम से भी आश्रम खोले, जिनमें वे असाध्य बीमारी से पीड़ित रोगियों व गरीबों की स्वयं सेवा करती थीं। जिन्हें समाज ने बाहर निकाल दिया हो, ऐसे लोगों पर इस महिला ने अपनी ममता व प्रेम लुटाकर सेवा भावना का परिचय दिया।

मदर टेरेसा का कहना था कि दुखी मानवता की सेवा ही जीवन का व्रत होना चाहिए। साल 1962 में भारत सरकार ने उनकी समाज सेवा और जन कल्याण की भावना की कद्र करते हुए उन्हें पद्म श्री से नवाजा। 1980 में मदर टेरेसा को उनके द्वारा किये गये कार्यों के कारण भारत सरकार ने भारत रत्न से अलंकृत किया।

5 सितंबर 1997 को मदर टेरेसा का देहावसान हो गया था। मदर टेरसा की मृत्यु के बाद उन्हें पोप जॉन पॉल द्वितीय ने धन्य घोषित किया और उन्हें "कोलकाता की धन्य" की उपाधि प्रदान की।

दया धर्म का मूल है

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्रान॥

हमारी संस्कृति के अनुसार मनुष्य का एक विशेष गुण जीव के प्रति दया भाव रखना है। दया धर्म का मूल है। जीवमात्र पर दया भाव रखकर उसके

दुःख को समझना चाहिए। प्राणी मात्र की सेवा ही जीवन का लक्ष्य है, समस्त जीवों की सेवा तब तक करनी चाहिए जब तक की शरीर में प्राण हैं और यही मानव धर्म है। धर्म हमें दया करना सिखाता है और अभिमान की जड़ में पाप-भाव पलता है। परोपकार की भावना ही सबसे बड़ी मनुष्यता है। मन से, तन से और कर्म से जीव मात्र के लिए अपने को आहूत करना देना ही सच्ची सेवा है। जीसस, विवेकानंद, नानक और न जाने कितने संत हमें दयाभावना से मानव-जाति के कल्याण करने का संदेश दे गए।

सत्संगति

सत्संगति अर्थात् अच्छों आचरण वाले लोगों की संगति। मनुष्य की संगति ही उसके व्यक्तित्व निर्माण को प्रभावित करती है। इसी लिए प्राचीन समय से धर्मग्रंथ तथा संत लोग मनुष्य को सत्संगति के लिए प्रेरित करते आए हैं।

कबीर तन पंछी भया, जहां मन तहां उडी जाइ।
जो जैसी संगती कर, सो तैसा ही फल पाइ।।

यह सच है कि मनुष्य जिन लोगों के साथ उठता बैठता है उनके स्वभाव और गुणों का उन पर प्रभाव पड़ता है। संत के साथ रहकर मानव कल्याण की बात और चोर के साथ रहकर चोरी जैसे अवगुण की बात सीखने मिलती है। अच्छी संगति हमारे अंदर के संत को और बुरी संगति हमारे अंदर के दानव को जागृत करती है। सत्संगति मनुष्य एवं समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सत्संगति मनुष्य को समाज में आदर पात्र बनाती है। सत्संगति मनुष्य के व्यक्तित्व और जीवन को सुंदर तथा प्रगतिशील बना देती है। दुर्जन का साथ पग-पग पर हानि पहुँचाता है।

प्र.12. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए। 5

राजनगर,
अमरावती - 444 601
15 सितंबर, 2008
सेवा में,
माननीय होम-इंस्पेक्टर,
शहर विभाग,
अमरावती - 444 601

विषय : सार्वजनिक नवरात्री महोत्सव में देर रात तक ऊँची आवाज में बजने वाले रेकार्डो की ओर ध्यान आकर्षित करना।

महोदय,

मैं राजनगर का निवासी हूँ। आजकल नवरात्री का महोत्सव चल रहा हैं। स्थान-स्थान पर रेकार्ड बज रहे हैं। इन रेकार्डो की ध्वनि इतनी तेज रहती है कि कानों को सहन नहीं होता। इसके अतिरिक्त आजकल हम विद्यार्थियों की परीक्षाएँ भी चल रही है। रेकार्डो की ध्वनि के कारण पढ़ाई में बाधा पड़ती है।

इसके अतिरिक्त छोटे बच्चों, बीमार एवं बूढ़े व्यक्तियों को भी सोने में बहुत तकलीफ होती है। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन्हें रात में निश्चित समय तक और मध्यम ध्वनि में रेकार्ड बजाने की ही अनुमति दी जाए। मुझे उम्मीद है कि आप शीघ्र ही इस बारे में जरुरी कार्रवाही करेंगे।

कष्ट के लिए क्षमा चाहता हूँ।

भवदीय
उमेश शर्मा

प्र. 13. आपके विद्यालय में एक सप्ताह के लिए 'निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान शिविर' लगाया जा रहा है। स्थानीय जनता की सूचना के लिए 30 शब्दों में एक सूचना-पत्रक लिखिए। 5

सूचना

निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान शिविर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 2 अक्टूबर, 'गाँधी जयन्ती' के अवसर पर 'भारत विकास संस्थान' के सहयोग से 'गांधी विद्यालय' में 'निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान' शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर का समय सुबह 6 बजे से सायं 5 बजे तक का रहेगा। आप सब से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम में 'रक्त-दान' कर जन-कल्याण में अपना सहयोग प्रदान करें।

प्र. 14. बढ़ते हुए महिला अपराध के संदर्भ में दो महिलाओं के मध्य बातचीत लिखिए - 5

हेमा : अरे ! प्रेमा आज बहुत दिनों बाद दिखाईं दीं? कहाँ थीं?

प्रेमा : भाभीजी के साथ एक दुर्घटना हो गई थी इसलिए इधर आना नहीं हुआ।

हेमा : ओह ! क्या हो गया था?

प्रेमा : किसी बदमाश ने राह चलते गले की चेन खींच ली जिसके कारण माताजी के गले पर चोट लग गई।

हेमा : ओह ! यह तो बहुत बुरा हुआ। आजकल दिनदहाड़ें ऐसी वारदातें बहुत होने लगी हैं। लगता है जैसे पुलिस और कानून का डर ही नहीं रहा है।

प्रेमा : हाँ। यदि पुलिस-विभाग अपनी जिम्मेदारी सही तरह से निबाहे तो बदमाशों की हिम्मत न हो।

हेमा : सबसे बुरी बात तो यह है कि जहाँ कुछ ऐसा बुरा घटित होता है वहाँ आस-पास मौजूद लोग भी तमाशबीन बन जाते है।

प्रेमा : तुम सही कह रही हो। लोगों को अपने जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निबाहना चाहिए।

हेमा : क्या बदमाश पकड़ा गया?

प्रेमा : नहीं। किसी की हिम्मत नहीं हुई। वह मोटरसाइकिल पर था, झपट्टा मारकर तेजी से भाग गया।

हेमा : ओह ! तुम अपनी माताजी का ध्यान रखो। मुझसे कोई भी सहायता चाहो तो बताना। माताजी को मेरा प्रणाम कहना।

प्रेमा : अवश्य। फिर मिलेंगे। नमस्कार !

हेमा : नमस्कार !

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

ठंडी के मौसम में खाये जानेवाले च्वनप्राश का विज्ञापन तैयार कीजिए।